



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 250]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 26, 2004/कार्तिक 4, 1926

No. 250]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 26, 2004/KARTIKA 4, 1926

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर, 2004

संख्या ए-12011/1/2002-के. स्वा. से.-1.— भारत सरकार के स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना संख्या ए0 -12011/1/2002-के0 स्वा0 से0-1 , दिनांक 23 अगस्त , 2003 , जो भारत के असाधारण राजपत्र में दिनांक 23 अगस्त, 2003 को पृष्ठ संख्या 4 पर भाग-1 खंड-1 में प्रकाशित की गई , इसमें केन्द्र सरकार एतद्वारा निम्नलिखित और संशोधन करती है , अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना में , नियम 13 तथा 14 के लिए , निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किए जाएं अर्थात् :-

13 (i) साक्षात्कार के बाद , परीक्षा में प्रत्येक उम्मीदवार को अंतिम रूप से प्रदान किए गए कुल अंकों के आधार पर आयोग द्वारा उम्मीदवारों को योग्यताक्रम में व्यवस्थित किया जाएगा। तत्पश्चात्, आयोग अनारक्षित रिक्तियों पर उम्मीदवारों की अनुशंसा हेतु परीक्षा के आधार पर भरी जाने वाली अनारक्षित रिक्तियों के संदर्भ में अर्हक अंक (जो बाद में सामान्य अर्हक मानक कहलाएगा) निर्धारित करेगा । आरक्षित रिक्तियों पर अ. जा. , अ. ज. जा. और अ.पि.व. के वर्गों के उम्मीदवारों को अनुशंसित करने के उद्देश्य से परीक्षा के आधार पर इन प्रत्येक वर्गों के लिए भरी जाने वाली आरक्षित रिक्तियों के संदर्भ में आयोग सामान्य अर्हक मानक में छूट दे सकता है ।

वशर्त कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित उम्मीदवार जिन्होंने परीक्षा के किसी भी स्तर पर पात्रता या चयन मानदंड में किसी भी प्रकार की रियायत या छूट का उपभोग नहीं किया है तथा वे उम्मीदवार जो आयोग द्वारा सामान्य अर्हक मानक के आधार पर अनुशंसा के लिए योग्य पाए गए हैं, को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए अनुशंसित नहीं किया जाएगा।

(ii) संवर्ग आबंटन के समय, अनारक्षित रिक्तियों के लिए अनुशंसित किए गए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित उम्मीदवारों को सरकार द्वारा आरक्षित रिक्तियों के तहत समायोजित किया जा सकता है यदि इस प्रक्रिया के जरिये वे अपने अधिमान के क्रम में उच्चतर विकल्प की सेवा को प्राप्त करते हैं।

(iii) इस नियम के उपबंधों के तहत अनारक्षित रिक्तियों के लिए नियुक्ति हेतु उम्मीदवारों की किसी भी कमी को ध्यान में रखते हुए तथा आरक्षित रिक्तियों के लिए उम्मीदवारों की किसी भी अधिकता के लिए आयोग अर्हक मानकों में और कमी कर सकता है। आयोग उप-नियम (iv) एवं (v) में निर्धारित तरीकों से इस बारे में अनुशंसा कर सकता है।

(iv) उम्मीदवारों की अनुशंसा करते समय, आयोग, प्रथम दृष्टया में, सभी वर्गों में रिक्तियों की कुल संख्या का ध्यान रखेगा। अनुशंसित उम्मीदवारों की इस कुल संख्या में से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के उन उम्मीदवारों की संख्या को घटाया जाएगा जिन्होंने उपनियम (i) के परन्तुक की शर्तों के अनुसार पात्रता या चयन मानदंड में किसी प्रकार की रियायत या छूट प्राप्त किए बिना योग्यता या निर्धारित सामान्य अर्हक मानक से अधिक योग्यता प्राप्त की है। अनुशंसित उम्मीदवारों की इस सूची के साथ-साथ आयोग उम्मीदवारों की समेकित आरक्षित सूची जारी करेगा जिसमें प्रत्येक वर्ग के अंतर्गत अंतिम अनुशंसित उम्मीदवार के नीचे योग्यता क्रम में रैंक किए गए सामान्य तथा आरक्षित वर्गों के उम्मीदवार शामिल होंगे। इस श्रेणी के उम्मीदवारों की संख्या आरक्षित श्रेणी के उन उम्मीदवारों की संख्या के बराबर होगी जिन्हें उपनियम (i) के परन्तुक के अनुसार पहली सूची में पात्रता में या चयन मापदंड में बिना किसी छूट या रियायत के शामिल किया गया। आरक्षित वर्गों में से, आरक्षित सूची में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के प्रत्येक के उम्मीदवारों की संख्या प्रत्येक वर्गों में प्रारम्भिक रूप से कम की गई रिक्तियों की क्रमिक संख्या के बराबर होगी।

(v) उपनियम (iv) में दिए गए प्रावधानों के अनुसार अनुशंसित उम्मीदवारों को सरकार द्वारा वे सेवाएं आबंटित की जाएंगी जहां कुछ रिक्तियों को अभी भी भरा जाना बाकी है,

सरकार आरक्षित सूची में से योग्यता क्रम में प्रत्येक वर्ग में भरी जाने वाली रिक्तियों के प्रयोजन हेतु मांग की गई उम्मीदवारों की संख्या की अनुशंसा करते हुए आयोग को अध्याचना प्रेषित कर सकती है।

14. शासीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों हेतु आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए नियम 12 तथा 13 में विनिर्दिष्ट न्यूनतम अर्हक अंकों में आयोग अपने विवेक से छूट दे सकता है।

वशतें कि जहां एक शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवार सामान्य , या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति या अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवारों के लिए अपेक्षित संख्या में अपनी योग्यता से न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर ले, तब , शारीरिक रूप से विकलांग अतिरिक्त उम्मीदवारों को , अर्थात् उनके लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या से अधिक संख्या में उम्मीदवारों को, आयोग द्वारा शिथिल मानदंडों के आधार पर अनुशंसित नहीं किया जाएगा ।

बी. पी. शर्मा, संयुक्त सचिव

टिप्पणी : भारत के राजपत्र (असाधारण) के भाग 1, खंड 1 में प्रमुख नियम अधिसूचना संख्या ए.-12011/1/2002-के. स्वा. से.-1, दिनांक 23 अगस्त, 2003 के अंतर्गत प्रकाशित किए गए थे।

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th October, 2004

No. A.-12011/1/2002-CHS-I.— In the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) number A.12011/1/2002-CHS-I dated 23rd August, 2003 published in Part 1, Section I, of the Gazette of India Extraordinary, dated the 23rd August, 2003, at page 13 the Central Government hereby makes the following further amendments, namely:-

In the said notification, for rules 13 and 14, the following rules shall be substituted, namely:-

- "13 (i) After interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the Examination. Thereafter, the Commission shall, for the purpose of recommending candidates against unreserved vacancies, fix a qualifying mark (hereinafter referred to as general qualifying standard) with reference to the number of unreserved vacancies to be filled up on the basis of the Examination. For the purpose of recommending reserved category candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other Backward Classes against reserved vacancies, the Commission may relax the general qualifying standard with reference to number of reserved vacancies to be filled up in each of these categories on the basis of the Examination.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other Backward Classes who have not availed themselves of any of the concessions or relaxations in the eligibility or the selection criteria, at any stage of the examination and who after taking into account the general qualifying standards are found fit for recommendation by the Commission, shall not be recommended against the vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other Backward Classes.

- (ii) While making cadre allocation, the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes or Other Backward Classes recommended against unreserved vacancies may be adjusted against reserved vacancies by the Government if by this process they get a service of higher choice in the order of their preference.
- (iii) The Commission may further lower the qualifying standards to take care of any shortfall of candidates for appointment against unreserved vacancies and any surplus of candidates against reserved vacancies arising out of the provisions of this rule, the Commission may make the recommendations in the manner prescribed in sub-rules (iv) and (v).
- (iv) While recommending the candidates, the Commission shall, in the first instance, take into account the total number of vacancies in all categories. This total number of recommended candidates shall be reduced by the number of candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other Backward Classes who acquire the merit at or above the fixed general qualifying standard without availing themselves of any concession or relaxation in the eligibility or selection criteria in terms of the proviso to sub-rule (i). Alongwith this list of recommended candidates, the Commission shall also declare a consolidated reserve list of candidates which will include candidates from general and reserved categories ranking in order of merit below the last recommended candidate under each category. The number of candidates in each of these categories will be equal to the number of reserved category candidates who were included in the first list without availing of any relaxation or concession in eligibility or selection criteria as per proviso to sub-rule (i). Amongst the reserved categories, the number of candidates from each of the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other Backward Class categories in the reserve list will be equal to the respective number of vacancies reduced initially in each category."
- (v) The candidates recommended in terms of the provisions of sub-rule (iv), shall be allocated by the Government to the cadres and where certain vacancies still remain to be filled up, the Government may forward a requisition to the Commission requiring it to recommend, in order of merit, from the reserve list, the same number of candidates as requisitioned for the purpose of filling up the unfilled vacancies in each category.
- "14. The minimum qualifying marks as specified under rule 12 and 13 may be relaxable at the discretion of the Commission in favour of physically handicapped candidates in order to fill up the vacancies reserved for them :

Provided that where a physically handicapped candidate obtains the minimum qualifying marks in his own merit in the requisite number for General, or the Scheduled Caste or the Scheduled Tribe or Other Backward Class category candidates, then, the extra physically handicapped candidates, i.e. more than the number of vacancies reserved for them shall not be recommended by the Commission on the relaxed standards."

B. P. SHARMA, Jt. Secy.

Note : The Principal rules were published vide Notification No. A-12011/1/2002-CHS-I dated 23rd August, 2003 in Part-I Section-1 of the Gazette of India (Extra-ordinary).